लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित
माघ शुक्ल पक्ष द्वादशी विक्रम संवत 2081
अमृत विचार
वर्ष 6, अंक 80, पृष्ठ 14+4, मूल्य 6 रुपये
एक सम्पूर्ण अखबार
बरेली, रविवार, 9 फरवरी 2025

PAGE NO : 05 BOTTOM

एसआरएमएस: दीक्षांत समारोह में 247 विद्यार्थियों को मिलीं उपाधियां

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● ट्रस्ट की ओर से प्रत्येक कोर्स के एक विद्यार्थी को फीस माफी का चेक भी दिया

अमृत विचार : श्रीराम मूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में शनिवार को श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के महाविद्यालयों का 24वां दीक्षांत समारोह मनाया गया। बीटेक, बीफार्मा, एमबीए, एमसीए के सत्र 2023-2024 के 247 विद्यार्थियों को उपाधियां, प्रशस्ति पत्र और पदक बांटे गए। इसके अलावा सभी कोर्स में पढ़ने वाले एक विद्यार्थी की फीस माफी योजना के तहत विद्यार्थियों को 11.33 लाख के चेक वितरित किए गए।

सीईटी और सीईटीआर में बीटेक 2020-2024 बैच में सबसे अधिक अंक पाने वाले प्रियांक गुप्ता और दीक्षा पटेल को श्रीराम मूर्ति गोल्ड मेडल के साथ 51 हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर सीईटी की काजल पांडेय और सीईटीआर की अर्चना मिश्रा को ट्रॉफी दी गई।

दीक्षांत समारोह में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश पाण्डेय ने विद्यार्थियों को अपना विजन और मिशन खुद बनाने की सलाह दी। मुख्य अतिथि टाटा कन्सलटेन्सी सर्विस, लखनऊ के डिलीवरी सेंटर हेड अमिताभ तिवारी ने इनोवेशन पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि मैकएफी इंक, बेंगलुरु के डायरेक्टर ऑफ डाटा इंजीनियरिंग इंजीनियर कुशवाहा मनीष कौशल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी देव मूर्ति, सचिव आदित्य मूर्ति, ट्रस्ट के सलाहकार सुभाष मेहरा, आशा मूर्ति, प्रो. श्यामल गुप्ता, उषा गुप्ता, डॉ. रजनी अग्रवाल, डॉ. आलोक खरे, डॉ. वंदना शर्मा, डॉ. एमबी कलहंस, डॉ. जसप्रीत कौर, डॉ. मुथु माहेश्वरी, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. आरती गुप्ता आदि मौजूद रहे।

एसआरएमएस के दीक्षांत समारोह में मौजूद अतिथि एवं छात्र- छात्राएं। ● अमृत विचार

पढ़ना और सीखना जिंदगी भर का काम

अमिताभ तिवारी ने कहा कि यूपी में बिजनेस तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में दिमाग को इंटरप्रिन्योरशिप के लिए ट्रेंड कीजिए और देश की तरक्की में अपना योगदान दीजिए। कहा कि एसआरएमएस जैसे संस्थान आईटी इंडस्ट्री के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। यह जिंदगी का नया अध्याय जरूर है लेकिन पढ़ाई का अंत नहीं। पढ़ना और सीखना जिंदगी भर की बात है। यह लगातार जारी रहेगी। यही आपको सफलता की ओर ले जाएगी।